पंजीकरण सं. आर.एन. 40596/83 डाक पंजी. संख्या-जी-3-डी.एल. (एन.)/084/2018-20 प्रकाशित: 16.05.2018 इस अंक का मूल्य 2 रुपये

।। ओ३म् ।।

युवा उद्घोष

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् (पंजीकृत) का पाक्षिक शंखनाद

Join—http://www.facebook.com/groups/aryayouth/

कार्यालय : आर्य समाज कबीर बस्ती, दिल्ली-110007, चलभाष : 9810117464, 9868051444

हरिद्वार गुरुकुल कांगड़ी चलो
अ..र्राष्ट्रीय गुरुकुल महा सम्मेलन
दिनांक 6,7 व 8 जुलाई 2018
आयोजकः
सार्वदेशिक आर्य प्र... सभा
नई दिल्ली
सम्पर्कः-011-23274771,9013783101

वर्ष-34 अंक-24 ज्येष्ठ-2075 दयानन्दाब्द 194 16 मई से 31 मई 2018 (द्वितीय अंक) कुल पृष्ठ 4 वार्षिक शुल्क 48 रु.
प्रकाशित: 16.05.2018, E-mail : yuva.udghosh1982@gmail.com aryayouthgroup@yahoogroups.com Website : www.aryayuvakparishad.com

15वां स्वामी दीक्षानंद स्मृति दिवस समारोह वैदिक साधन आश्रम देहरादून में सोल्लास सम्पन्न

आर्य समाज हिन्दू समाज का सजक प्रहरी – विधायक उमेश शर्मा 'काऊ'

जनसंख्या नियंत्रण कानून समय की आवश्यकता – डॉ अनिल आर्य

समारोह के मुख्य अतिथि विधायक श्री उमेश शर्मा 'काऊ' का अभिनंदन करते स्वामी चितेश्वरा नंद जी, स्वामी सचिदानंद जी, मंत्री श्री प्रेमप्रकाश शर्मा व संयोजक केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ अनिल आर्य। द्वितीय चित्र– परिषद के महामंत्री श्री महेन्द्र भाई का अभिनंदन करते प्रधान श्री दर्शन अग्निहोत्री, मन्त्री प्रेमप्रकाश शर्मा, स्वामी चितेश्वरा नंद जी आदि।

रविवार 13 मई 2018, आर्यो के तीर्थ स्थल वैदिक साधन आश्रम, तपोवन, देहरादून मे दिनांक 9 मई से 13 मई 2018 तक स्वामी चितेश्वरा नंद जी के ब्रह्मत्व मे चतुर्वेद परायण यज्ञ सम्पन्न हुआ। समापन पर अग्निहोत्री धर्मार्थ ट्रस्ट के तत्वावधान में 15वां स्वामी दीक्षानंद स्मृति दिवस आयोजित किया गया। समारोह में देश के कौने कौने से हजारों श्रद्धालु उपस्थित हुए।

समारोह के मुख्य अतिथि विधायक श्री उमेश शर्मा 'काऊ' ने कहा की आर्य समाज हिन्दू समाज का सदैव सजक प्रहरी रहा है व उसमें आयी कमियों को ठीक करने का डॉक्टर का काम करता रहा है। उन्होंने महात्मा प्रभु आश्रित सभागार को वाता नूकुलित बनाने के लिए पूर्ण सहयोग देने का आश्वासन दिया। समारोह अध्यक्ष श्री दर्शन अग्निहोत्री ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए कार्यकलापों की जानकारी दी। समारोह के संयोजक डॉ अनिल आर्य ने कहा की बढ़ती जनसंख्या विस्फोटक रूप लेती जा रही है अतः समय की मांग है की जनसंख्या नियंत्रण कानून शीघ्र लाया जाये। आचार्य आशीष जी, प. सत्य पाल पथिक, स्वामी दिव्या नंद जी, स्वामी चितेश्वरा नंद जी, आचार्य नंदिता जी, आचार्य अन्नपूर्णा जी, प्रवीन आर्या, आचार्य चंद्र शेखर शास्त्री, पं. उमेश कुलश्रेष्ठ, पं. रुबेल सिंह आर्य, मनीष आर्य, मीनाक्षी पंवार, शैलेश मुनि आदि ने अपने विचार रखे। डॉ अनिल आर्य ने कुशल संचालन किया। श्री महेन्द्र भाई, श्री वेदप्रकाश आर्य, बहन स्वर्णा आर्या, डॉ कृष्ण कांत वैदिक, युवा गायक मनीष आर्य का अभिनंदन किया गया।

प्रमुख रूप से आचार्य धनंजय, डॉ वेदप्रकाश गुप्ता, दिनेश आर्य, सुशील भाटिय, ,सौरभ गुप्ता, अरुण आर्य, राकेश ग्रोवर, सौरभ आर्य, रघुनाथ आर्य, विजय आर्य, वेद मिगलानी, अर्चना पुष्करणा, हरीश खुराना, देवेन्द्र शास्त्री, विजय सचदेवा, जवाहर भाटिया, सुरेंदर बुद्धिराजा, कृष्णा सचदेवा, मनमोहन आर्य, यशवीर आर्य आदि उपस्थित थे। तपोवन विद्या निकेतन के बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद दिल्ली के युवकों ने श्री सौरभ गुप्ता अरुण आर्य के नेतृत्व में सभी सुन्दर व्यवस्था संभाली। एक नए उत्साह के साथ लोग घरों को वापिस लौटे।

तपोवन आश्रम के प्रधान श्री दर्शन अग्निहोत्री व कर्मठ मंत्री श्री प्रेमप्रकाश शर्मा का अभी अभिनंदन करते डॉ अनिल आर्य,स्वामी चितेश्वरा नंद जी, मनमोहन आर्य,महेन्द्र भाई, शैलेश मुनि,सुशील भाटिया एवम् यशवीर आर्य। द्वितीय चित्र में देश के कौने कौने से तपोवन आश्रम देहरादून में पहुंचे श्रद्धालु आर्य जन। एक विहंगम सुन्दर दृश्य।

दिल्ली राष्ट्रीय आर्य युवक चरित्र निर्माण शिविर का निमन्त्रण

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् दिल्ली के तत्वावधान में विशाल आर्य युवक चरित्र निर्माण शिविर का आयोजन शनिवार, 9 जून से रविवार, 17 जून 2018 तक दयानन्द मॉडल स्कूल, विवेक विहार, पूर्वी दिल्ली में किया जा रहा है। शिविर का उद्घाटन समारोह शनिवार, 9 जून को सायं 5 बजे से 7 बजे तक होगा व भव्य समापन समारोह रविवार, 17 जून 2018 को सायं 5 से 7.30 बजे तक होगा। सभी आर्य जनों से अपील है कि आर्य समाज की युवा शक्ति को आशीर्वाद प्रदान करने हजारों की संख्या में पंहुचे।

– डॉ. अनिल आर्य, राष्ट्रीय अध्यक्ष

मूर्धन्य संन्यासी एवं वैदिक सिद्धांतों के निष्ठावान प्रचारक
स्वामी दीक्षानन्द जी सरस्वती

– डॉ. सुन्दरलाल कथूरिया

आर्यजगत् के प्रतिष्ठित संन्यासी, प्रकाण्ड वैदिक विद्वान, मौलिक चिन्तक, प्रभुविष्णु प्रवचनकर्ता, यशस्वी लेखक, स्तरीय वैदिक ग्रंथों के प्रकाशक तत्त्ववेत्ता, योग शिरोमणि, आदित्य ब्रह्मचारी सर्वस्व त्यागी, आदर्श आचार्य, महर्षि दयानन्द के समर्पित सेनानी वैदिक सिद्धांतों के निष्ठावान प्रचारक, स्वतन्त्रता सेनानी, राष्ट्रभाषा हिन्दी के प्रबल समर्थक, गौरक्षा आन्दोलन के पुरोधा, अध्यात्मचेता, देश-विदेश में आर्ष विचारधारा, वैदिक दर्शन एवं मानव-मूल्यों के प्रचारक-प्रसारक स्वामी दीक्षानन्द जी बहुआयामी व्यक्तित्व के धनी थे। समस्त प्रकार की ऐषणाओं से मुक्त, मुक्तिमार्ग के पथिक स्वामी दीक्षानन्द जी का आर्य समाज के मिशन को आगे बढ़ाने में अत्याधिक महत्त्वपूर्ण योगदान है। वे आर्यजगत् के उन कुछ विरल संन्यासियों में से एक थे, जो वेद-विद्या पारंगत थे, जिनकी कथनी-करनी एक थी तथा जिनका समस्त जीवन 'मनुर्भव' का दिव्य संदेश देने के लिए समर्पित था। लोकोपकार की भावना उनमें कूट-कूट कर भरी थी और वे सच्चे अर्थों में संन्यासी थे।

स्वामी दीक्षानन्द जी का जन्म 10 जून, 1918 ई. को मध्यवर्गीय कायस्थ परिवार में हुआ था। उनका बचपन का नाम कृष्ण स्वरूप था। आरंभिक शिक्षा के उपरान्त उन्होंने उपदेशक विद्यालय, लाहौर एवं गुरुकुल भटिण्डा में एकाग्रचित होकर अध्ययन किया। बचपन से ही शिक्षण एवं अध्यात्म के प्रचार में उनकी रूचि थी। अध्ययन-काल में उनके प्रमुख गुरु पं. बुद्धदेव विद्यालंकार थे जो बाद में स्वामी समर्पणानन्द के नाम से विख्यात हुए। इनके प्रति स्वामी दीक्षानन्द जी के मन में अत्यन्त समादर एवं श्रद्धा का भाव अन्त तक बना रहा। अपनी शिक्षा सम्पन्न हो जाने के उपरान्त कृष्ण स्वरूप जी ने उपदेशक विद्यालय, भटिण्डा की स्थापना की, जहाँ वे आचार्य कृष्ण के नाम से जाने जाते थे। संन्यासाश्रम में प्रविष्ट होने के पूर्व तक वे इसी नाम से ख्यात रहे। गुरुकुल प्रभात आश्रम, टिकरी, मेरठ में सन् 1948 से सन् 1956 तक उन्होंने आचार्य पद को सुशोभित किया। आचार्य कृष्ण ने सन् 1975 में आर्यसमाज के शताब्दी समारोह में स्वामी सत्यप्रकाश जी ने संन्यास की। दीक्षा ली और वे स्वामी दीक्षानन्द के नाम से सुख्यात हो गए। वैदिक विषयों में शोध के प्रति स्वामी दीक्षानन्द जी की गहरी रूचि थी, अतः सन् 1978 ई. में अपने श्रद्धेय गुरु स्वामी समर्पणानन्द जी की स्मृति को अक्षुण्ण रखने के लिए उनके नाम पर, 'समर्पण शोध संस्थान की स्थापना की। इस संस्थान के माध्यम से उन्होंने न केवल मौलिक अनुसंधान के लिए शोधार्थियों को प्रेरित किया, वरन् वैदिक साहित्य से जुड़े बहुत से स्तरीय ग्रंथों का प्रकाशन भी किया।

स्वामी दीक्षानन्द जी वाग्गी वक्ता ही नहीं, सिद्धहस्त लेखक भी थे। वे सच्चे अर्थों में तपस्वी थे। उनके ग्रंथों में उनके चिन्तन की दीप्ति और विश्लेषण-क्षमता के दर्शन होते हैं। यों तो उनके ग्रंथों की संख्या बहुत बड़ी है, पर उनके कुछ प्रमुख ग्रंथ हैं-मृत्युंजय सर्वस्व, अग्निहोत्र सर्वस्व, अपनयन सर्वस्व, ओंकार, सर्वस्व, उपहार सर्वस्व, स्वाध्याय सर्वस्व, नाम सर्वस्व, दो पुटन के बीच, सत्यार्थ कल्पतरू, ए लविंग टोकन, वैदिक कर्मकाण्ड पद्धति, वाल्मीकि के पुरूषोत्तम राम, गुरुकुल शतकम, सम्राट् शतकम आदि। उनका प्रचुर लेखन उनकी विद्वता, स्वाध्यायी, प्रवृत्ति, श्रम-साधना, गुरु-गंभीर विवेचन-विश्लेषण, विषय की अतल गहराइयों में पैठ एवं मौलिक चिन्तन का साक्षी है। उनका तल स्पर्शी लेखन समाधिस्थ अवस्था में लिखा गया लगता है और इससे आर्ष साहित्य की निश्चय ही श्रीवृद्धि हुई है। यद्यपि उनका समग्र लेखन तर्क-प्रमाण-पुरस्सर और वैज्ञानिक दृष्टि से ओतप्रोत है, तथापित उसे हृदयंगन करने में कोई कठिनाई नहीं होती। उनका लेखन पाठकों के लिए प्रेरक और दिशा-निर्देशक है। उनके शास्त्रानुमोदित मन्तव्यों-उपदेशों पर आचरण कर कोई भी पाठक या साधक प्रेय से श्रेय एवं अन्नमय कोश से आनन्दमय कोश की ओर प्रस्थान कर सकता है।

स्वामी दीक्षानन्द जी ने बहुत-से ग्रंथों का सम्पादन प्रकाशन कर माँ-भारती के भण्डार को भरा तथा जन-जन तक वैदिक मान्यताओं को पहुँचाने का भरसक प्रयास किया। 'समर्पण शोध संस्थान' से उनके द्वारा प्रकाशित कुछ ग्रंथों के नाम हैं-वैदिक उपदेश माला, पाणिनीय प्रवेशिका, ऋग्वेद मण्डल-मणि-सूत्र, यजुर्वेद-अथर्ववेद, भाष्यम्, वैदिक नारी, आर्ष-ज्योति, ऋग्वेद-ज्योति, सामवेद, भाष्यम्, समाज का कायाकल्प, श्रुति सौरभ वेदों का यथार्थ स्वरूप वैदिक दर्शन वैदिक स्वर्ग, अनादि तत्त्व, योगेश्वर कृष्ण, Glimpses of Dayanand works of Pt. Guru Datta, Vision of Truth, Anthology of Vedic Hymns आदि। कहने की आवश्यकता नहीं कि इन ग्रंथों के स्वाध्याय से कोई भी व्यक्ति आर्ष सिद्धांतों से परिचय प्राप्त कर विद्वान और ज्ञानी बन सकता है तथा इनपर आचरण कर आत्मोत्कर्ष को प्राप्त कर सकता है। आचरणविहीन कोरा ज्ञान तो किसी काम का नहीं। ऐसे विद्वान को तो वेद भी पवित्र नहीं कर सकते-आचारहीनम् न पुनन्ति वेदाः।

स्वामी दीक्षानन्द जी तलस्पर्शी वैदिक विद्वान् एवं तत्त्वदर्शी ऋषि थे। आर्य समाज एवं आर्ष सिद्धांतों के प्रति वे सर्वात्मना समर्पित थे। सत्य सनातन वैदिक सिद्धांतों को वे जन-जन तक पहुँचाना चाहते थे। वैदिक धर्म के प्रचार-प्रसार की उनमें ललक थी। 'कृण्वन्तो विश्वमार्यम्' के स्वप्न को वे साकार करना चाहते थे, अतः देश-विदेश में उन्होंने प्राण-पण से वैदिक दर्शन आर्य समाज की मान्यताओं एवं मानव-मूल्यों का प्रचार-प्रसार किया। इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए उन्होंने मॉरिशस, दक्षिण, अफ्रीका, डरबन, नैरावी, केन्या, पूर्वी अफ्रीका, आदि देशों में वेद-प्रचार का महत्वपूर्ण कार्य किया। अपने ज्ञानवर्द्धक, शास्त्र-सम्मत वेदानुकूल, प्रभावपूर्ण प्रवचनों से उन्होंने असंख्य लोगों के जीवन का निर्माण किया, उन्हें यज्ञ संस्कृति से जोड़ा, आत्मोन्मुख किया तथा दुर्गुणों का परित्याग कर सन्मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी। मैं स्वयं को सौभाग्यशाली मानता हूँ कि मुझे स्वामी दीक्षानन्द जी के प्रेरक प्रवचन सुनने के अनेक अवसर मिले-आर्य समाज, बी-2 ब्लॉक, जनकपुरी एवं अन्य आर्य समाजों में भी। किसी भी ख्यात व्यक्ति के समान स्वामी दीक्षानन्द जी के विषय में यह मिथ्या प्रवाद फैला रखा था कि वे स्वामी दीक्षानन्द नहीं, स्वामी दक्षिणानन्द हैं।' अपने अनुभव के आधार पर मैंयह कहसकता हूँ कि यह उनके विषय में मिथ्या और भ्रामक प्रचार था। जिन वर्षों में मैं आर्य समाज, बी-2 ब्लॉक, जनकपुरी का प्रधान था, मैंने कई बार उनसे यहां प्रवचन के लिए आग्रह किया और मुझे सदैव उनका आशीर्वाद मिला। मैंने लिफाफे में रखकर जो भी दहिया उन्हें सादर भेंट की, उन्होंने सहर्ष स्वीकार की और कभी कोई ननु-नच नहीं की।

स्वामी दीक्षानन्द जी की अग्निहोत्री मं ठाहरी निष्ठा थी। वे यज्ञानुष्ठान को विधि-विधान और श्रद्धा के साथ करने के पक्षधर थे। वे यज्ञ की प्रक्रिया और याज्ञिक विश्लेषण में बहुत दक्ष थे। यज्ञाग्नि को बार-बार चिनटे से छेड़ने के वे विरोधी थे। उनका कहना था कि यज्ञाग्नि को सहज-स्वाभाविक रूप में प्रज्वलित होने दीजिए और जब तक बहुत विवशता न हो, उसके साथ छेड़-छाड़ न कीजिए।

स्वामी दीक्षानन्द जी अग्नि के समान तेजस्वी और सर्वत्यागी प्रवृत्ति के संन्यासी थे। भारत के महामहिम राष्ट्रपति ज्ञानी जैल सिंह ने उन्हें 'योग शिरोमणि' की उपाधि से विभूषित किया था। स्वामी जी हैदराबाद मुक्ति सत्याग्रह 1939 के सेनानी थें वे बन्दी बनाए गए और छः महीने तक कारावास में रहे। सन् 1957 ई. में चण्डीगढ़ के हिन्दी सत्याग्रह के वे सक्रिय सहभागी थे तथा सन् 1967 में दिल्ली में हुए गौ-रक्षा आन्दोलन में उन्होने एक जत्थे का नेतृत्व किया था। 'कुर्वन्नेवेहकर्माणि' का आदर्श यावज्जवीन उनके सामने रहा। दिल्ली में पंचभौतिक शरीर का दिनांक 15 मई, 2003 को परित्याग कर वे सद्गति को प्राप्त हुए।

उनकी पावन स्मृति में, उनकी पुण्यतिथि के अवसर पर उनके परम श्रद्धालु भक्त श्री दर्शन कुमार जी अग्निहोत्री, वैदिक साधन आश्रम, तपोवन, नालापाणी, देहरादून में स्वामी दीक्षानन्द स्मृति दिवस का आयोजन कर अनेक विद्वानों को सम्मानित करते हैं। स्वामी दीक्षानन्द जी के 11वें स्मृति-दिवस के अवसर पर वे मुझे अकिंचन को भी 11.5. 2014 को 'वेदश्री सम्मान' से अलंकृत कर चुके हैं। उनके इस प्रयास की जितनी सराहना की जाए, कम है।

वैदिक सिद्धांतों के निष्ठावान प्रचारक, आर्य समाज के अनन्य सेवक, मौलिक चिन्तन से युक्त दर्जनों ग्रंथों के प्रणेता, अनेक आन्दोलनों के सक्रिय सहभागी, मूर्द्धन्य संन्यासी श्री स्वामी दीक्षानन्द जी अपने पार्थिव शरीर से आज हमारे बीच नहीं है पर वे अपने कर्त्तव्य के बल पर यावच्चन्द्रदिवाकरौ जीवित रहेंगे।

जयन्ति से सुकृतिनो रससिद्धाः कवीश्वराः। नास्ति येषां यशः काये जरामरणजं भयः॥

– बी-3/79, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058, मो. 09718479970,

गुरुकुल प्रभात आश्रम में प्रवेश-परीक्षा

प्राचीन वैदिक आर्ष-परम्परा के संवाहक गुरुकुल प्रभात आश्रम, मेरठ, उत्तर प्रदेश में नवीन प्रवेशार्थी छात्रों की प्रवेश-परीक्षा पूर्व वर्षों की भाँति इस वर्ष भी 26 जून से 30 जून 2018 तक सम्पन्न होगी। प्रवेशार्थी छात्र की अर्हता पञ्चम श्रेणी उत्तीर्ण, मेधावी, स्वस्थ, सुशील एवं आयु 10 वर्ष होनी चाहिए। प्रवेश परीक्षा लिखित एवं मौखिक दो चरणों में एक दिन में ही (प्रातः 8:00-11:00 तथा सायं 2:00-5:00 बजे तक) होगी। लिखित परीक्षा में 60 प्रतिशत अंक प्राप्त छात्र ही मौखिक परीक्षा के लिए चुना जायेगा। विशेष जानकारी के लिए आचार्य, गुरुकुल प्रभात आश्रम, टीकरी, भोला झाल, मेरठ से सम्पर्क करें। दूरभाष संख्या- 08006702551, 09719325677। सूचना-अभिभावक समय का विशेषरूप से ध्यान दें। निवेदकः- प्रबन्धक, गुरुकुल प्रभात आश्रम, टीकरी, भोला- झाल, मेरठ- 250501 (उ.प्र.)

आचार्य प्रेमपाल शास्त्री प्रधान निर्वाचित

आर्य पुरोहित सभा दिल्ली प्रदेश के चुनाव में आचार्य प्रेमपाल शास्त्री-प्रधान, पं.मेघश्याम वेदालंकार-महामंत्री व श्री अभयदेव शास्त्री कोषाध्यक्ष निर्वाचित हुए।

3 जून को कबीर बस्ती में भजन संध्या

केन्द्रीय आर्य युवक के 40वें स्थापना दिवस पर भव्य भजन संध्या रविवार 3 जून 2018 को सायं 5.00 बजे से 7.30 बजे तक आर्य समाज कबीर बस्ती, पुरानी सब्जी मण्डी, दिल्ली-110007 के सभागार में होगी। समारोह के पश्चात ऋषि लंगर अवश्य ग्रहण करें

- महेन्द्र भाई, महामन्त्री

जहां नहीं होता कभी विश्राम ॥ ओ३म् ॥ आर्य युवक परिषद् है उसका नाम

हर राहे गुजर पर शमां जलाना है मेरा काम, हवा का रूख क्या है मैं देखता नहीं...

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् का आह्वान

मातृ पितृ भक्त, ईश्वर भक्त, देशभक्त, चरित्रवान युवा पीढ़ी का करेंगे निर्माण

बलमुपास्व

1. राष्ट्रीय युवक चरित्र निर्माण शिविर
शनिवार 9 जून से रविवार 17 जून 2018 तक
स्थान : दयानन्द मॉडल स्कूल, विवेक विहार, दिल्ली-95
सम्पर्क : श्री सौरभ गुप्ता- 9971467978, श्री अरुण आर्य - 9818530543

3. आगरा आर्य कन्या शिविर
रविवार 10 जून से रविवार 17 जून 2018 तक
स्थान: कृष्णा इण्टरनेशनल स्कूल, महुआ खेड़ा, जिला आगरा
श्री रमाकान्त सारस्वत-9719003853, श्री हरिशंकर अग्निहोत्री-9897060822

5. हरियाणा प्रान्तीय युवक निर्माण शिविर
रविवार 3 जून से रविवार 10 जून 2018 तक
स्थान: श्रद्धा मन्दिर स्कूल, सैक्टर-87, फरीदाबाद
डॉ. गजराज सिंह-9213771515, जितेन्द्र सिंह-9210038065, वीरेन्द्र योगाचार्य-9350615369

7. कैथल युवक निर्माण शिविर
शुक्रवार 1 जून से मंगलवार 5 जून 2018 तक
स्थान: आर्य विद्यापीठ स्कूल, पवनावा, जिला कैथल
सम्पर्क: आचार्य राजेश्वर मुनि-9896960064

9. सिहोर युवक निर्माण शिविर
रविवार 27 मई से वीरवार 31 मई 2018 तक
स्थान: ब्राईट कैरियर हायर सेकेण्डरी स्कूल, सिहोर, मध्यप्रदेश
सम्पर्क: आ. भानुप्रताप वेदालंकार-09977967777, विजय राठौर-6260547277

11. जम्मू-कश्मीर युवक निर्माण शिविर
सोमवार 18 जून से रविवार 24 जून 2018 तक
स्थान : आर्य समाज, जानीपुर, जम्मू
सम्पर्क : श्री सुभाष बब्बर-09419301915, रमेश खजुरिया-9797384053

13. जयपुर युवक निर्माण शिविर
सोमवार 18 जून से रविवार 24 जून 2018 तक
संस्कार भवन, जी. एस. सैनी नर्सिंग कालेज, रामपुरा रोड, जयपुर
सम्पर्क : श्री यशपाल यश-09414360248, डॉ. प्रमोद पाल-9828014018

15. उत्तराखण्ड युवक निर्माण शिविर
सोमवार 18 जून से 24 जून 2018 तक
स्थान: सैनिक हाई स्कूल, बागेश्वर, उत्तराखण्ड
संरक्षक: गोविन्दसिंह भण्डारी-09412930200, संयोजक: शंकर गोस्वामी-9411079503

17. करनाल युवक निर्माण शिविर
मंगलवार 19 जून से रविवार 24 जून 2018 तक
स्थान: आर्य समाज प्रेम नगर, करनाल, हरियाणा
स्वतन्त्र कुकरेजा-9813041360, अजय आर्य-9416128075, रोशन आर्य-9812020862

19. जीन्द युवक निर्माण शिविर
रविवार 20 मई से रविवार 27 मई 2018 तक
स्थान: स्वामी दयानन्द हाई स्कूल,भटनागर कालोनी, रोहतक रोड, जीन्द
सूर्यदेव आर्य-9416715537, श्रीकृष्ण दहिया-9812781154, योगेन्द्र शास्त्री-9416138045

2. दिल्ली आर्य कन्या चरित्र निर्माण शिविर
रविवार 20 मई से रविवार 27 मई 2018 तक
स्थान: गीता भारती पब्लिक स्कूल, अशोक विहार-2, दिल्ली
उर्मिला आर्या-9711161843, अर्चना पुष्करणा-9899555280 विजय हंस-9211239397

4. राजस्थान प्रान्तीय युवक निर्माण शिविर
रविवार 3 जून से रविवार 10 जून 2018 तक
भारती पब्लिक स्कूल, नारनौल रोड, बहरोड़, जिला अलवर
सम्पर्क: आचार्य रामकृष्ण शास्त्री-09887669603 मा. सत्यपाल आर्य-9001982643

6. पलवल युवक निर्माण शिविर
सोमवार 11 जून से रविवार 17 जून 2018 तक
स्थान: डी.जी. खान सी.सै.स्कूल, रेलवे रोड, पलवल, हरियाणा
सम्पर्क: स्वामी श्रद्धानन्द जी-9416267482, वी. के. आर्य-9416477166

8. राष्ट्रीय शिक्षक अभ्यास शिविर
वीरवार 12 अप्रैल से रविवार 15 अप्रैल 2018 तक
स्थान: गुरुकुल ग्राम खेड़ाखुर्द, दिल्ली-110082
सम्पर्क: श्री मनोज मान-9868174111, सूर्यदेव आर्य-9416615536

10. उत्तराखण्ड योग-आयुर्वेद-प्राकृतिक चिकित्सा शिविर
शुक्रवार 1 जून से वीरवार 7 जून 2018 तक
स्थान : गुरुकुल कण्वाश्रम, कोटद्वार, पौढ़ी गढ़वाल
सम्पर्क : ब्र. विश्वपाल जयन्त 09837162511

12. उड़ीसा युवक निर्माण शिविर
शनिवार 5 मई से शुक्रवार 11 मई 2018 तक
स्थान: वेद व्यास संस्कृत महाविद्यालय, राऊरकेला, उड़ीसा
सम्पर्क : आचार्य धनेश्वर बेहरा-09337117429

14. जयपुर आर्य कन्या शिविर
मंगलवार 1 मई से रविवार 6 मई 2018 तक
संस्कार भवन, जी.एस. सैनी नर्सिंग कालेज, रामपुरा रोड, जयपुर
सम्पर्क : श्री यशपाल यश-09414360248, डॉ. प्रमोद पाल-9828014018

16. मध्य प्रदेश प्रान्तीय युवक निर्माण शिविर
रविवार 20 मई से रविवार 27 मई 2018 तक
स्थान: प्रज्ञा गर्ल्स स्कूल, बिछोली मरदाना, इन्दौर, मध्यप्रदेश
संयोजक: भानुप्रताप वेदालंकार 9977987777, अविनाश शास्त्री 7222955300

18. झारखण्ड आर्य कन्या शिविर
रविवार 13 मई से रविवार 20 मई 2018 तक
स्थान: आर्ष कन्या गुरुकुल, आर्य समाज हजारीबाग, झारखण्ड
संयोजक: आचार्य कृष्णदेव कौटिल्य-9430309525, आचार्य पुष्पा शास्त्री

20. यमुना नगर युवक निर्माण शिविर
सोमवार 28 मई से शनिवार 2 जून 2018 तक
स्थान: वैदिक वाटिका, ग्राम संभोली, जिला यमुनानगर, हरियाणा
संयोजक: आचार्य गोपाल शर्मा-9996561444

21. नरवाना युवक निर्माण शिविर
शुक्रवार 1 जून से बुधवार 6 जून 2018 तक
स्थान: आर्य समाज नरवाना हरियाणा, संयोजक: श्री अश्वनी आर्य-9255422877

शिविरों के 'उद्घाटन व समापन' पर दल बल सहित पहुँचे व तन-मन-धन से सहयोग प्रदान करें

निवेदक

डा. अनिल आर्य	महेन्द्र भाई	रामकुमार सिंह	गवेन्द्र शास्त्री	धर्मपाल आर्य
राष्ट्रीय अध्यक्ष	राष्ट्रीय महामंत्री	राष्ट्रीय उपाध्यक्ष	राष्ट्रीय बौद्धिकाध्यक्ष	राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष
9810117464	9013137070	9868064422	9810884124	9871581398

केन्द्रीय कार्यालय: आर्य समाज, कबीर बस्ती, पुरानी सब्जी मण्डी, दिल्ली-110007, फोन-7550568450, 9958889970
Email: aryayouth@gmail.com Website: www.aryayuvakparishad.com Join-http://www.facebook.com/groups/aryayouth/

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् की शिविर तैयारी बैठक गाजियाबाद व विवेक विहार में सम्पन्न

रविवार, 6 मई 2018, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् की शिविरों की तैयारी पर विचार करने के लिये कार्यकर्ता बैठक वृष्ठायन, आदर्श मार्केटिंग, साहिबाबाद में सम्पन्न हुई। चित्र में श्री प्रमोद चौधरी का अभिनन्दन करते डा. अनिल आर्य, प्रवीन आर्या, प्रवीन आर्य, ज्ञानेन्द्रसिंह आर्य व विजय आर्य। बैठक का कुशल संचालन श्री सुरेश आर्य ने किया। श्री कृष्ण कुमार यादव, यज्ञवीर चौहान, विजय आर्य, सौरभ गुप्ता, रमेश आर्य आदि ने अपने विचार रखे। द्वितीय चित्र–पूर्वी दिल्ली क्षेत्र की बैठक दयानन्द मॉडल स्कूल, विवेक विहार, दिल्ली में सम्पन्न हुई। सभी आर्य जनों ने शिविर को सफल बनाने का संकल्प लिया। डा. अनिल आर्य के साथ श्री प्रवीन भाटिया विद्यालय प्रबन्धक, महेन्द्र भाई, रविन्द्र मेहता व यशोवीर आर्य। प्रमुख रूप से विनोद बजाज, रामानन्द आर्य, विजय आर्य, यज्ञवीर चौहान, महेश भार्गव, राजकुमारी शर्मा, ओमप्रकाश पाण्डेय, कै.अशोक गुलाटी, चन्द्रशेखर, ईशकुमार नांरग आदि ने अपने विचार रखे।

आर्य समाज, बसई गुरूग्राम में एक वर्षीय यज्ञ का आयोजन

आर्य समाज बसई, गुरूग्राम, हरियाणा में गत् 1 अक्तूबर 2017 से 30 सितम्बर 2018 तक सूर्योदय से सूर्य अस्त तक एक वर्षीय यज्ञ चल रहा है। चित्र में, सोमवार 7 मई 2018 को परिषद् के राष्ट्रीय अध्यक्ष डा. अनिल आर्य महर्षि दयानन्द की जीवनी का लोकापर्ण करते हुए। साथ में महेन्द्र भाई, प्रवीन आर्या, माधवसिंह, संयोजक वेदपाल आर्य व सन्तराम आर्य आदि।

युनाईटेड हिन्दू फ्रन्ट का नई दिल्ली के जन्तर मंतर पर प्रचण्ड प्रदर्शन

वीरवार, 10 मई 2018, युनाईटेड हिन्दू फ्रन्ट के तत्वाधान में नई दिल्ली के जन्तर मन्तर पर श्री जयभगवान गोयल के नेतृत्व में प्रचण्ड विरोध प्रदर्शन हुआ। राष्ट्रपति व प्रधानमंत्री को ज्ञापन देकर केन्द्र सरकार से मांग की गई कि गई–(1) 10 प्रतिशत से अधिक आबादी होने के कारण मुस्लिमों का अल्पसंख्यक दर्जा समाप्त किया जाये (2) सार्वजनिक स्थानों पर नमाज बन्द की जाये (3) जनसंख्या नियन्त्रण कानून लाया जाये। मंच पर श्री जयभगवान गोयल, डा.अनिल आर्य, देवेन्द्र चौधरी व चन्द्रपकाश कौशिक आदि।

मजदूर आर्य नेता प्रो. श्योताजसिंह का निधन

सार्वदेशिक आर्य युवक परिषद् के कोषाध्यक्ष व बंधुआ मुक्ति मोर्चा के महामंत्री प्रो.श्योताजसिंह का निधन हो गया। सोमवार, 7 मई 2018 को जैनाबाद, रिवाड़ी, हरियाणा में उनके गांव में श्रद्धाजंलि सभा स्वामी अग्निवेश की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। स्वामी आर्यवेश, डा. अनिल आर्य, बहिन पुष्पा शास्त्री, महेन्द्र भाई, ब्र. दीक्षेन्द्र, विरजानन्द, स्वामी श्रद्धानन्द, पूर्व विधायक राजेन्द्र बीसला, पी. के. मितल, एडवोकेट, ओमप्रकाश शर्मा, बहिन पूनम–प्रवेश आदि अनेकों मित्रों ने भावभीनी श्रद्धाजलि अर्पित की। युवा उदघोष की विनम्र श्रद्धाजंलि।

आर्य कन्या शिविर दिल्ली का निमन्त्रण

केन्द्रीय आर्य युवती परिषद् दिल्ली प्रदेश के तत्वावधान में विशाल आर्य कन्या चरित्र निर्माण शिविर रविवार, 20 मई से रविवार, 27 मई 2018 तक गीता भारती पब्लिक स्कूल, अशोक विहार, फेज–2, दिल्ली में आयोजित किया जा रहा है। शिविर का "भव्य उद्घाटन समारोह" रविवार, 20 मई 2018 को सायं 5 बजे से 7 बजे तक होगा व "भव्य समापन समारोह" रविवार, 27 मई 2018 को सायं 5 से 7.30 बजे तक होगा। समारोह के पश्चात "ऋषि लंगर" का सुन्दर प्रबन्ध रहेगा। सभी आर्य जनों से अनुरोध है कि सपरिवार पधार कर बालिकाओं का उत्साहवर्धन करें– उर्मिला आर्या, अध्यक्षा, अर्चना पुष्करना, महामंत्री

श्री भगतसिंह राठी प्रधान निर्वाचित

आर्य समाज, राजनगर, पालम, नई दिल्ली के चुनाव में श्री भगतसिंह राठी–प्रधान, श्री हंसराज आर्य–मन्त्री व श्री ब्रह्मप्रकाश आर्य–कोषाध्यक्ष निर्वाचित हुए। युवा उद्घोष की ओर से हार्दिक बधाई।

छपते–छपते श्री अत्तर सिंह आर्य, क्रांतिकारी (हिसार) का निधन

सम्पादक: **अनिल कुमार आर्य** द्वारा केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के लिए **मंयक प्रिटर्स**,2199/63, नाईवाला, करोलबाग, दिल्ली-5 दूरभाष : 41548503 मो. : 9810580474 से मुद्रित व परिषद् कार्यालय आर्य समाज टी-176-177, कबीर बस्ती, दिल्ली-7 से प्रकाशित, **प्रबन्धक :** दिनेश आर्य, मोबाइल : 9911587765, देवेन्द्र भगत, मोबाइल : 09958889970